एक प्रति का मूल्य 3/-

भार्गव समाचार दर्शिका

वर्ष 49 अक्तूबर, 2020 अंक 3

Over 50 Years
Quality Healthcare

Cooper Pharma Limited

Rakesh Bhargava
Managing Director
09810348149

Lata Bhargava
Director
09910045970

Abhishek Bhargava
09958677899

Regd. Office: 12/12, Shakti Nagar, Delhi - 110 007 (INDIA)
Tel.: (011) 26841442
Head Office: Plot no-5, Nidhi Plaza IInd floor, L.S.C., Gulabi Bagh, Shakti Nagar, Delhi - 52
Tel.: (011) 23653404, 23653537, 23653405
Works at : C-3, Industrial Area, Selaqui, Chakrata Road, Dehradun - 248197 (Uttarakhand)
Tel.: (0135) 2698730, 2698686
E-mail : cooperpharma@hotmail.com **Visit us at :** www.cooperpharma.com

IN MEMORY OF

LATE SHRI RAJ NARAIN BHARGAVA

J. NORAIN & SON
GASKETS & MATERIALS

Dealers of Asbestos Jointing Sheets
Aromatic Chemicals and Compounds

A-55/1, G.T. Karnal Road Indl. Area, Delhi-110033
Phone : 27428587, 47065521
E-mail : paras1966@hotmail.com
Mobile : 9810158418
Resi. : 011-27020222

Perfact | Group

TOTAL ENVIRONMENTAL SOLUTIONS

CONSULTANCY WING

- Environmental Clearances
- Designing, Operation & Maintenance of Pollution Control Devices (APCS, ETP & STP)
- Environmental Audit
- Consultancy for Compliances of Environmental Laws
- NBWL / Forest / Ground Water Clearances

ENVIRONMENT LABORATORY

- Testing Laboratory
- Air Quality
- Water Quality
- Soil Quality
- Noise level
- Indoor Air Quality
- Work zone Monitoring
- Metal Testing

WASTE MANAGEMENT

- Electrical & Electronics Waste Management
- Plastic Waste Management
- Approved recycler of Plastic Waste under Plastic waste Rules 2016.
- Solid Waste Management
- Liquid waste Management

PERFACT SOLUTIONS

PERFACT GROUP

Total Environmental Solutions

5th Floor, NN Mall,

Sector - 3, Rohini, Delhi – 110 085

Phone : +91-11-49281360/61

Website : www.perfactgroup.com

Email : info@perfactgroup.in

POLYGAMMA RECYCLING LLP

Factory Address :

C-15, DSIIDC, Industrial Complex,

Nangloi, Rohtak, Road,

New Delhi – 110 041

Phone : +91-9818424364

Email : polygamma.recycling@gmail.com

Perfact Researchers Pvt Ltd

Perfact Services

PolyGamma

Total No. of Pages 40 (including title).

卐 *सर्व भूतहिते रताः* 卐

भार्गव समाचार दर्शिका

संस्थापक : श्री नवीन चन्द्र भार्गव

वर्ष 49 | अक्टूबर, 2020 | अंक 3

प्रबन्ध सम्पादक
श्रीमती नीरा भार्गव
मैसर्स कनु एस्टेट्स (प्रा.) लि.
दूरभाष : 9811066272

सम्पादक
श्री योगेश भार्गव
मैसर्स भृगु प्रिंटर्स
दूरभाष : 9312243182

दीपावली
की
हार्दिक शुभकामनायें।

श्रीमती नीरा भार्गव
प्रबन्ध सम्पादक
(भार्गव समाचार दर्शिका)

योगेश भार्गव
सम्पादक
(भार्गव समाचार दर्शिका)

अजय भार्गव
सचिव (दिल्ली भार्गव सभा)

राजेश भार्गव
प्रधान (दिल्ली भार्गव सभा)

नीता भार्गव
सचिव (भार्गव महिला सभा दिल्ली)

आरती भार्गव
प्रधान (भार्गव महिला सभा दिल्ली)

कार्यालय व पत्र व्यवहार का पता

योगेश भार्गव, सम्पादक भार्गव समाचार दर्शिका

मानव धर्म भवन, 67/3, मद्रास हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली–110002

मोबाइल : 9312243182 ई–मेल : bhargavasamachar@gmail.com

संरक्षक :

श्री सुरेश भार्गव
कनु एस्टेट्स (प्रा.) लि.
दूरभाष : 26344142

श्री अशोक भार्गव
एक्स. एल. लेबोरेट्रीज
दूरभाष : 25920680

श्रीमती मंजू भार्गव
दरियागंज, नई दिल्ली
मो. : 9312704470

श्री ए. एस. भार्गव
ग्रेक्योर फार्मेसियुटिकल्स लि.
दूरभाष : 25411594

श्रीमती मंजू भार्गव
नोएडा
मो. : 9310950999

श्री राकेश भार्गव
कूपर फार्मा, दिल्ली
दूरभाष : 23842587

संयोजक :

श्री संजीव भार्गव
घौंडा, मौजपुर
मो.: 9136229066

श्री देवेन्द्र कुमार भार्गव
किशोरी लाल एजेन्सीज़
मो. : 9871222158

श्री दिवाकर भार्गव
भार्गव कमर्शियल प्रा. लि.
मो. : 9810003713

सह सम्पादक :

श्री बाल कृष्ण भार्गव
राजौरी गार्डन
मो.: 9891910968

श्री मयंक भार्गव
घौंडा
मो.: 9718011810

श्रीमती मीनाक्षी भार्गव
डी.एल.एफ.
मो.: 8882954428

सदस्य :

श्री राजेश भार्गव
प्रशान्त विहार
मो.: 9810130726

श्री अजय भार्गव
पटपड़गंज
मो.: 9810380343

श्री सुधाकर भार्गव
आनन्द विहार
मो. : 9810042132

श्री सर्वेश भार्गव
दरियागंज
दूरभाष : 23265973

श्रीमती आरती भार्गव
रोहिणी
मो. : 9818884535

श्रीमती नीता भार्गव
कौशाम्बी
मो. : 9910288633

श्रीमती मनी भार्गव
आनन्द विहार
मो. : 9871795155

श्रीमती अनु भार्गव
घौंडा, मौजपुर
मो. : 9212944101

इस अंक में...

रंगीन विज्ञापन	3, 4, 37, 38
विज्ञापन	8, 12, 18, 19, 20, 23, 24
दिल्ली भार्गव सभा (पंजी.) : कार्यवाही कार्यकारिणी बैठक एवं अखिल भारतीय भार्गव सभा का स्थापना दिवस	9-11
अ.भा. भार्गव सभा के स्थापना दिवस पर प्रधान सचिव श्री हीरेन्द्र नाथ भार्गव का सम्बोधन	13-17
अ.भा. भार्गव सभा के स्थापना दिवस पर दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान श्री राजेश जी का उद्बोधन	21-22
दिल्ली भार्गव सभा (पंजी.): बजट 2020-2021	22
अ.भा. भार्गव सभा के स्थापना दिवस के अवसर पर श्री बालकृष्ण भार्गव का सम्बोधन	25-27
विज्ञापन	28, 31, 32
सम्राट हेमचन्द्र विक्रमादित्य: कमलेश्वर प्रसाद भार्गव	29-30
व्रत-पर्व-त्यौहार	33
दिल्ली भार्गव सभा (पंजी.): कल्याण निधि	33
विज्ञापन	34-36

With Best Compliments from :-

BHARGAVA FINANCE & LEASING CO.

NDP CHITS PVT. LTD.

SBJ CHITS PVT. LTD.

Directors : Kuldeep Bhargava
Anuj Bhargava

Mobile : 9810182101, 7838382101
E-mail: bhargavafinlease@yahoo.co.in
404-405, Amber Tower, Azadpur,
Near Aakash Cinema, Delhi-110033

In Memory of

Shri Nihal Chand Bhargava

Smt. Kanti Devi Bhargava

Shri Ramesh Chand Bhargava

Eyetec Opticians

200, KATRA BARYAN, FATEHPURI,
DELHI - 110 006 (INDIA)
Phone Off. : 011-23939670, 23919811

Eyetec Optics

211, SOUTHEX TOWER, 2nd FLOOR
389, MASJID MOTH, SOUTH EXTN. PART - 2
NEW DELHI-110049 (INDIA)

G-14, SOUTHEX PLAZA-I, NEAR MASJID MOTH,
NDSE-II, NEW DELHI-110049 (INDIA)
Phone : 011-26259670, 26259811
E-mail : eyetecoptics@hotmail.com

Smt. Sandhya Bhargava

Lokesh Bhargava **Neeraj Bhargava**

दिल्ली भार्गव सभा (पंजीकृत)

राजेश भार्गव	सुधाकर भार्गव	अजय भार्गव
प्रधान	कोषाध्यक्ष	मुख्य सचिव
9810130726	9810042132	9810380343

कार्यवाही कार्यकारिणी बैठक

दिल्ली भार्गव सभा (पंजी.) की कार्यकारिणी की आठवीं बैठक शनिवार, दिनांक 10 अक्टूबर, 2020 को प्रातः 10.30 बजे से प्रधान श्री राजेश जी की अध्यक्षता में Zoom App पर आयोजित की गयी। उपस्थिति 30 रही।

ईश वन्दना के पश्चात् बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। सचिव श्री अजय द्वारा गत बैठक की कार्यवाही रिपोर्ट पढ़कर सुनायी गयी। जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। सचिव द्वारा 2020-21 सत्र के लिये अनुमानित बजट पढ़कर सुनाया गया जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। 2019-2020 सत्र का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया जिसे पास कर Audit के लिये भेजा गया।

सचिव श्री अजय द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद किया गया व Zoom पर बैठक आयोजित कराने हेतु श्रीमती नीरा जी व श्री सुरेश जी का विशेष धन्यवाद किया गया।

अखिल भारतीय भार्गव सभा का स्थापना दिवस

शनिवार, दिनांक 10 अक्टूबर, 2020

दिल्ली भार्गव सभा के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष की भांति अखिल भारतीय भार्गव सभा का स्थापना दिवस शनिवार, 10 अक्टूबर, 2020 को प्रातः 11 बजे से Zoom App पर प्रधान श्री राजेश जी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। उपस्थिति 70 रही।

सर्वप्रथम अखिल भारतीय भार्गव सभा के पूर्व प्रधान श्री सुरेश जी, दिल्ली भार्गव सभा की पूर्व प्रधान श्रीमती नीरा जी व श्री संजीव जी तथा सचिव श्री अजय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया व सभी सदस्यों द्वारा ईशवन्दना का सस्वर उच्चारण किया गया। तत्पश्चात् प्रधान श्री राजेश जी द्वारा अखिल भारतीय भार्गव सभा के पदाधिकारियों व Zoom पर उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया गया तथा उन्होंने अपने सम्बोधन में अखिल भारतीय भार्गव सभा के इतिहास के विषय में विस्तृत जानकारी दी व हमारे पूर्वज श्री हेमचन्द्र जी के जीवन से

सम्बन्धित कुछ घटनायें विस्तार से बतायी। तत्पश्चात् अखिल भारतीय भार्गव सभा के अध्यक्ष श्री नरेश जी ने सभा के 131वें स्थापना दिवस की सभी को शुभकामनायें दीं और दिल्ली भार्गव सभा को इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिये धन्यवाद दिया।

श्रीमती नीरा जी, श्री सुरेश जी, श्री संजीव जी व श्री अजय जी द्वारा हवन किया गया। हवन करीब 40 मिनट तक चला। हवन के बाद आरती की गयी व प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम को पुनः आरम्भ करते हुये अखिल भारतीय भार्गव सभा के पूर्व प्रधान श्री सुरेश जी ने सभी का स्वागत किया तथा सभा की स्थापना के विषय में सदस्यों को बताया कि किस प्रकार 1980 में मुंशी नवल किशोर जी के भाई की सुपुत्री के विवाह के अवसर पर जब बारात में अनावश्यक खर्च हो रहा था तो मुंशी नवल किशोर जी ने इस अनावश्यक खर्च कर उस पैसे को जाति के उत्थान हेतु स्थायी फंड बनाकर दान दिया। आज भी हमें अपने विवाह आदि के अवसर पर अनावश्यक खर्चों को कम करना चाहिए व समाज के उत्थान हेतु दान अवश्य करना चाहिए। इसके बाद अखिल भारतीय भार्गव सभा के मुख्य सचिव श्री हीरेन्द्र नाथ जी द्वारा सभा को सम्बोधित किया गया। अपने सम्बोधन में उन्होंने भार्गव सभा के इतिहास व कोरोना काल में होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1889 की रजिस्ट्रेशन की Original रसीद उनके पास अभी भी मौजूद है।

दिल्ली भार्गव सभा के पूर्व प्रधान श्री कमलेश्वर जी व श्री बालकिशन जी ने श्री हेमचन्द्र जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। अखिल भारतीय भार्गव सभा के उपाध्यक्ष श्री दिनेश जी ने सभी को 131वें स्थापना दिवस की शुभकामनायें दीं व दिल्ली भार्गव सभा को इस सफल आयोजन हेतु धन्यवाद दिया।

अन्त में मुख्य सचिव श्री अजय जी द्वारा अखिल भारतीय भार्गव सभा के प्रधान श्री नरेश जी, मुख्य सचिव श्री हीरेन्द्र नाथ जी, उपप्रधान श्री दिनेश जी व पूर्व प्रधान श्री विजय नारायण जी, श्री सुरेश जी तथा सचिव श्री प्रमोद जी व उपस्थित सभी आगन्तुक अतिथियों का धन्यवाद किया गया।

इस कार्यक्रम को श्रीमती नीरा जी व श्री सुरेश जी द्वारा प्रायोजित किया गया। उनका भी धन्यवाद किया गया।

अजय भार्गव
मुख्य सचिव

112-बी, सरस्वती कुंज, प्लाट नं. 25,
आई.पी. एक्सटेंशन, दिल्ली-110092
दूरभाष: 22723488, 9810380343

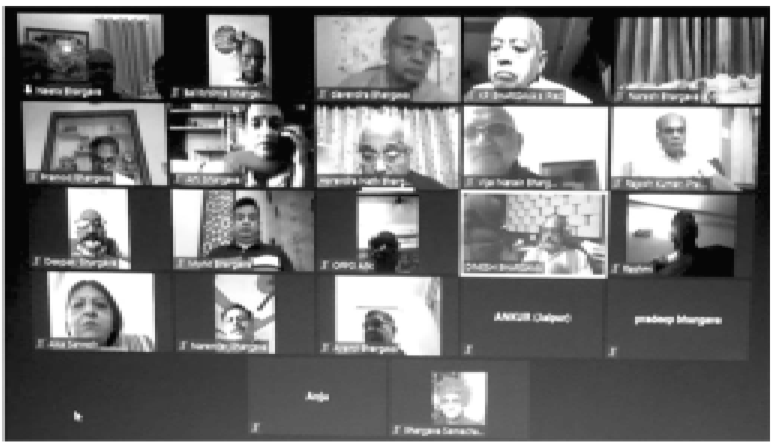
ANKUR (Jaipur)
pradeep bhargava
Anju

With Best Compliments From :

Late Shri J.N. Bhargava (M.A.)

Founder

JOLLY ENGINEERING WORKS

Manufacturers of :

QUALITY HINGES & HARDWARE GOODS

1/3, ROOP NAGAR, DELHI-110007

Phones : Factory cum Office : 23911688

Fax : 23916512

Resi. : 23950878, 23916807

e-mail : jollyenggworks@usa.net

अखिल भारतीय भार्गव सभा के प्रधान सचिव श्री हीरेन्द्र नाथ जी का स्थापना दिवस पर सम्बोधन

आज से सैंकड़ो वर्ष पूर्व हमारा समाज पूरी तरह विखण्डित हो चुका था। हमारे पूर्वजों ने ऐसा क्या किया, कि आज हमारे समाज के लोग गर्व से मस्तक उठा कर कहते हैं कि हमसे ज्यादा शिक्षित, प्रतिष्ठित और संगठित समाज अन्यत्र नहीं है। आज भिन्न-भिन्न समाजों को यदि देखें तो आज भार्गव समाज हर क्षेत्र में अपना सिक्का बुलन्दि पर जमाए हुए है, फिर चाहे वह क्षेत्र शिक्षा का हो, व्यवसाय, प्रशासनिक सेवा या अन्य किसी विद्या का ही क्यूं न हो। यही कारण है कि हमारी प्रसिद्धि और गहरी छाप से लोग यही समझते हैं कि हम जनसंख्या में कम से कम 5-7 लाख तो होंगे ही, जबकि वास्तविकता यह है कि पूरी दुनिया में लगभग 6000 परिवारों का 45000 व्यक्तियों का हमारा छोटा सा समाज है और इसमें भी लगभग 14 प्रतिशत परिवार विदेशों में बस चुके हैं। हैं न चौंकाने वाले तथ्य।मैं नमन करता हूँ ऐसे समाज को जिसमें हमने जन्म लिया और जिसने हमें पहचान दी।

सन् 1556 में हुमायूँ की मृत्यु के बाद अकबर के सिर पर दिल्ली का ताज पहना दिया गया। अकबर की उम्र उस वक्त सिर्फ 13 वर्ष की थी। बैरम खाँ अकबर का अभिभावक व सेनापति दोनों का दायित्व संभाले था। 5 नवम्बर 1556 को मुगल व हेमू दोनों की सेनाएँ आमने-सामने थीं। हेमू की सेना में 40,000 घुड़सवार और 500 हाथी थे। सैनिक दृष्टि एवं शक्ति के विचार से हेमू का पलड़ा बहुत भारी था। हेमू की सेना के आँधी तूफान की तरह किए गए हमले से मुगलों के पाँव उखड़ गए, हेमू की विजय का एहसास शत्रुओं को भी होने लगा, तभी अचानक एक तीरन्दाज का तीर हेमू की आँख में लगा, वो हाथी के हौदे से गिर पड़ा, पर हिम्मत नहीं हारी, तीर खींच कर आँख से निकाला। पर उसके साथ उनकी आँख भी निकल गई, वो मूर्छित हो गए, नेतृत्व विहीन सेना में खलबली मच गई। बैरम खाँ ने हेमू को पकड़ लिया और बेरहमी से उनका कत्ल कर दिया। हेमू की पराजय के बाद मुगलों ने हमारे समाज को समाप्त करने के लिए कत्लें आम शुरु कर दिया। खून की नदियाँ बहने लगीं। सैंकड़ो भार्गव ढूसर परिवार मार

दिए गए, न जाने कितनी यातनाएँ समाज को सहनी पड़ी, हर वक्त मुगलों का भय सताता रहता था। अपनी पहचान अपनी जाति, वंश छिपते छिपाते। न जाने कहाँ-कहाँ अपनी पहचान छुपा कर हम छिटक कर दूर-दूर तक फैल गए। परन्तु अंग्रेजी शासन काल में जब महारानी विक्टोरिया ने बागडोर सम्भाली, तब कुछ शान्ति का राज्य स्थापित हुआ। मगर तब तक आर्थिक स्थिति गिर चुकी थी, परिवार नष्ट होते जा रहे थे, वास्तव में सैंकड़ों साल लग गए समाज को अपनी अस्मिता बचाने में। यादों के झरोखों को खोलते हैं और ले चलता हूँ आपको अपने अतीत की ओर...

बात है सन् 1880 की, यानि 140 वर्ष पूर्व लखनऊ के प्रतिष्ठित मुंशी नवल किशोर जी के भाई मुंशी फूल चंद जी की सुपुत्री का विवाह अलीगढ़ के मुंशी लक्ष्मण प्रसाद जी के सुपुत्र के साथ तय हुआ, समाज के सभी सम्भ्रान्त लोग इसमें आमन्त्रित थे। छः दिन तक बारात का स्वागत होना था। जबरदस्त विदेशी फूलों की सजावट से पण्डाल सजाया गया, आतिशबाजी का भरपूर इंतजाम था। यहाँ तक कि हर शाम विशेष नर्तकियों का नृत्य पूरे शवाब पर होना था। यकीनन तीन दिन तक ये जश्न हर शाम को हुआ। उस समय के हिसाब से हजारों रुपये खर्च हो रहे थे। पर चौथे दिन की सुबह, समाज के कुछ लोगों ने बैठ कर ये विचार किया कि एक ओर तो हम समाज के उत्थान की बात करते हैं और दूसरी ओर अनावश्यक अययाशी पर इस कदर खर्चा? फैसला हो गया, आगे के तीन दिन अनावश्यक खर्चीले कार्यक्रम नहीं होंगे, और मुंशी नवल किशोर जी ने इन फालतू खर्चों में कमी करते हुए, इस सारे पैसे को जाति के उत्थान हेतु एक स्थायी फण्ड बनाकर दान कर दिया।

लगभग एक वर्ष बाद 6 अगस्त 1881 में, ताज महल की नगरी आगरा में—राय बहादुर सालिगराम जी, मुंशी नवल किशोर जी, मनोहर लाल जी व बिहारीलाल जी ने प्रस्ताव पारित कर एक जातीय पंचायत बुलाने का निर्णय लिया और मुंशी देवकी नन्दन जी के समर्थानुसार एक जातीय पंचायत का गठन हो गया और सर्वसम्मति से इसका नाम "भार्गव सभा" रखा गया परन्तु व्यक्तिगत उलझनों और वैचारिक मतभेदों के कारण ये चल न सकी और 12 जून 1884 में पुनः

निश्चय हुआ कि समाज के हित में सभा का पुर्नगठन किया जाए और इसका दायित्व सौंपा गया आगरा के मुंशी गिरधर लाल जी को। और उस समय ये सभा "आगरा भार्गव सभा" कहलाई।

1887 में पुनः भार्गव सभा की स्थापना पर जोर देते हुए और धन की आवश्यकता को पहचान कर स्थायी फण्ड में बढ़ोतरी करने के लिए मुंशी नवल किशोर जी ने अपने सुपुत्र प्रयाग नारायण जी की शादी में बड़हार के समय 8,000 रुपये आज के प्रायः 8 करोड़ रुपये के बराबर का दान दिया। साथ ही सरकार से 4 एकड़ जमीन, जिसका मूल्य उस समय 10,000 रुपये था (आज के प्रायः 10 करोड़ रुपये के बराबर), निःशुल्क दिलवाई, जिससे शिक्षा के प्रसार हेतु भार्गव बोर्डिंग हाऊस की नींव रखी गई। यह बात वर्ष 1887 की है।

वर्ष 1860 अधिनियम संख्या 21 के अन्तर्गत आखिर सभा का पंजीकरण नजाकत, नफासत के शहर लखनऊ में 10 अक्टूबर 1889 को हो गया और सभा की औपचारिक स्थापना भी हो गई।

मुंशी राम दयाल जी (अलवर) संस्थापक प्रधान एवं मुंशी गिरधरलाल जी (आगरा) संस्थापक सचिव तथा मुंशी नवल किशोर जी (लखनऊ) संस्थापक उपसभापति बने। हाँ! यह बार-2 अपने समाज के लोगों के नाम के आगे मुंशी लिखा देखकर कुछ अजीब सा नहीं लगता, आइए बताता हूँ, इसके पीछे राज क्या है। ब्रिटिश हुकूमत अंग्रेजी शासन काल में अंग्रेजी के अतिरिक्त अरबी, फारसी व उर्दू इन चार भाषाओं के सम्पूर्ण ज्ञान ज्ञाता को मुंशी शब्द से सम्बोधित किया जाता था जोकि अत्यन्त आदर सूचक भी था। हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द जी इसी कारण से मुंशी कहलाते थे। हमारे समाज के सबसे अधिक शिक्षित अधिकांश लोग अपने नाम के आगे मुंशी लगाया करते थे। इससे पता लगता है कि स्थापना में उस समय के सभी शिक्षित, समृद्ध एवं सुदृष्टि रखने वाले थे।

यहाँ उन दो व्यक्तियों का भी स्मरण करना आवश्यक है जिन्होंने अक्टूबर 1887 में उक्त एक्ट के अंतर्गत सभा की नियमावली तैयार की थी, वे थे बाबू वासुदेव लाल जी एवं मुंशी राम रतन जी Deputy Registrar लखनऊ।

सभा की स्थापना से पूर्व ही 'भार्गव पत्रिका' के प्रकाशन का निर्णय उस

समय ले लिया गया था और सितम्बर 1888 में 'भार्गव पत्रिका जयपुर (मजहर–उल–इसलाह/भार्गव पेपर)' के नाम से सम्पादक मुंशी हर दयाल सिंह जी द्वारा उर्दू में प्रारम्भ की गई। सन् 1890 से इसका नाम 'भार्गव पत्रिका' रखा गया। नवें अंक में 'किताब खयालात' भार्गव हितकारिणी 'हालात कौम भार्गव' से गुजरते हुए इसका नाम 'भार्गव पत्रिका' हुआ। सन् 1935 में भार्गव पत्रिका को भार्गव सभा का मुखपत्र घोषित किया गया। सन् 1948 से भार्गव पत्रिका केवल हिन्दी में प्रकाशित होनी आरम्भ हो गयी। सन् 1978 से अखिल भारतीय भार्गव सभा से प्रधान सचिव इसके प्रधान सम्पादक हैं।

सभा के इतिहास में सन् 1912 भी सदैव स्मरण रहेगा, क्योंकि इस वर्ष सभा द्वारा दो महत्वपूर्ण सब–कमेटियों की स्थापना की गयी–1. सब कमेटी तालीम (शिक्षा उपसमिति), 2. सब कमेटी मुताल्लिक उमूरे माली (समाज कल्याण उपसमिति), जिसका नाम पूर्व में समाज सुधार समिति था।

भार्गव समाज में पर्दा प्रथा होने के कारण उस समय महिलाएँ भार्गव सम्मेलनों में भाग नहीं लेती थीं। सन् 1913 में प्रथम बार भार्गव महिलाओं का जलसा अजमेर में आयोजित हुआ। कई बिन्दुओं पर चर्चा हुई। सन् 1928 तक हमारी महिलाएँ भार्गव सम्मेलनों में चिकों के पीछे से उपस्थित होकर देखती थीं। सन् 1929 में प्रथम बार निःसंकोच महिलाओं ने पुरुषों के साथ बैठकर सम्मेलन में भाग लिया। सन् 1971 में अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ और सन् 1980 में अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की स्थापना हुई थी।

सभा के कर्णधारों की दूरदर्शिता एवं शिक्षा के महत्व को प्रमुखता देने के कारण ही हमारा सम्पूर्ण भार्गव समाज उच्च शिक्षा प्राप्त कर महत्वपूर्ण पदों पर आसीन रहे हैं। पुरुष हो अथवा महिला इसे शत प्रतिशत शिक्षित होने का गौरव आज भी प्राप्त है। सन् 1889 में फिनले भार्गव बोर्डिंग हाउस आगरा, सन् 1891 में रेवाड़ी में, सन् 1902 में अलवर में, सन् 1905 में लाहौर में एवं दिल्ली में स्थापित भार्गव बोर्डिंग हाउस इसी के प्रमाण हैं।

देखा जाए तो तब कि सोच में और आज कि सोच में जमीन आसमान का अंतर है। उस समय शिक्षा का अभाव, स्त्रियों को ज्यादा पढ़ाया नहीं जाता था, लड़कियों, महिलाओं के लिए परदा प्रथा, लड़कियों को शिक्षा के लिए तो क्या घर से बाहर निकालने तक पर पाबन्दी थी, लड़की का विवाह 10–12 वर्ष में कर देना उचित व अच्छा माना जाता था। विधवा विवाह की तो सोच भी खराब मानी

जाती थी। विधवा व अनाथ बच्चों की दुर्दशा थी। दहेज न लेने के लिए यह तर्क दिया जाता था कि क्या हमारी लड़की की शादी बिना दहेज के करवाने की आप गारण्टी लेंगे। बड़े नगरों में जाने और वहाँ बसने में आने वाले संघर्षों का भय दिखाया जाता था। ये सब सामाजिक अभिशाप थे जिससे हमारे पूर्वज परेशान रहते थे।

सभा का प्रथम सम्मेलन सन् 1889 में फिनले भार्गव बोर्डिंग हाउस आगरा में वेद मंत्र एवं हवन-पूजा के साथ मुंशी नवल किशोर जी के सभापतित्व में सम्पन्न हुआ। सन् 1889 से 1959 तक सम्मेलन प्रत्येक वर्ष में तथा बाद में एक वर्ष छोड़कर सन् 1982 तक आयोजित होते रहे। कुल 57 भार्गव सम्मेलन आयोजित हुए। इन सम्मेलनों की अध्यक्षता भी पृथक से निर्वाचित सभापति ही करता था ना कि सभा का प्रधान।

सभा के इतिहास में मुंशी नवल किशोर जी के सहयोग को नहीं भुलाया जा सकता है। आपने उस समय सभा को 50,000 रुपये की राशि दान स्वरूप भेंट की थी, जिससे हमारी सभा सबल बनी। आप सदैव स्मरणीय रहेंगे।

विवाह सम्बन्ध स्थापित करने में परेशानी होने के कारण सन् 1970 में सभा द्वारा पं. भवानी प्रसाद जी (जोधपुर), स्व. पं. जगदीश भार्गव अलवर एवं स्व. श्री पूर्ण चन्द भार्गव जयपुर की एक 'विवाह परामर्श उपसमिति' की स्थापना की। स्व. पं. भवानी प्रसाद जी एवं स्व. पं. जगदीश चन्द जी दोनों ज्योतिष के प्रकाण्ड विद्वान थे और आपस में चाचा-भतीजे थे।

आइए आज हम नमन करें अपनी कृतज्ञता का ज्ञापन करें, अपने उन श्रद्धेय पितामह एवं परम् आत्माओं के प्रति जिन्होंने हमें शिक्षित, सुसंस्कृत एवं उन्नत समाज की धरोहर दी है। आइए। आज हम संकल्प करें कि अपने उन श्रद्धेय जनों के अनुसार ही हम सब भी सम्मिलित रुप से हमारे भार्गव समाज के प्रति समर्पित होंगे प्रभु हमको इस हेतु विवेक, सदबुद्धि एवं शक्ति दे।

जिस देश जाति में जन्म लिया
बलिदान उसी पर हो जावें।
हमें गर्व है कि हम भारतीय हैं
हमें गर्व है कि हम भार्गव हैं।

जय हिन्द ! जय भारत !! जय भार्गव समाज !!!

In Memory of

SHRI KRISHAN KUMAR — SMT. SARLA BHARGAVA

1924-2009 **1928-2005**

raymond SHOP

MOHAN LAL BHARGAVA & CO.

SINCE 1920

1845, FOUNTAIN, CHANDNI CHOWK
DELHI-110006

PHONE : 23269599 · FAX : 23254821

E-mail : mlb1845@gmail.com

ARYAN CLASSES

INNOVATIVE LEARNING • PROVEN RESULTS

A HIGHLY SPECIALISED PREPARATORY INSTITUTE

FOR IIT-JEE, DTU, BITS & NTSE

Our students achieved highest success percentage
in IIT JEE, BIT SAT, AIEEE for the last five years

PROGRAMME SCHEDULE

For VIII, IX, X, XI and XII students (1 / 2 / 3 / 4 Year Programme)

Special Courses for weak and average students and for genius also.

Special Classes for Board and school sylabus

For Admission cum Scholarship Test Contact : 9711086251

ARYAN CLASSES, Mahesh Bhargav

500/7, Lane No.5, Vishwas Nagar, Delhi 110032 Tel: 011-22387553, 22305075
Email: maheshbhargava97@rediffmail.com, harishkharbanda@rediffmail.com
Visit us at www.aryanclassesonline.com and follow us on

Mahindra
GENUINE SPARES

शान से बेचो ● सुकून से खरीदो

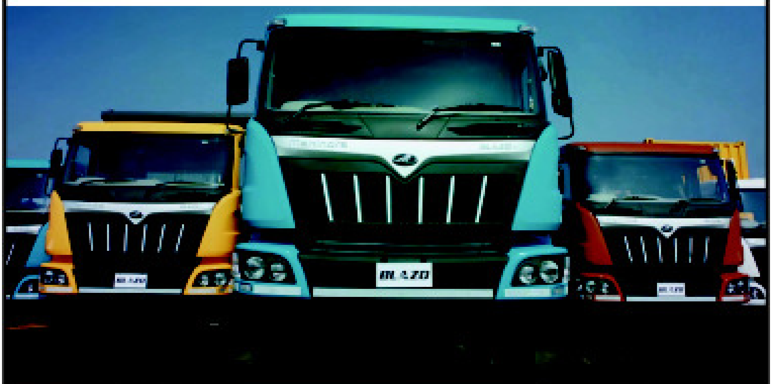

Authorised Distributor

BHARGAVA MOTORS

2597/1, 1st Floor, Ram Singh Motor Market, Hamilton Road,
Kashmere Gate, Delhi-110006
Kashmere Gate : 011-23968091, 23935259, 9560697255
Noida : 0120-4299498, 9650697233
Gurgaon : 0124-4387258, 9560697232

दिल्ली भार्गव सभा (पंजीकृत)

ऑल इंडिया भार्गव सभा के 131वें स्थापना दिवस पर दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान श्री राजेश जी का स्वागत उद्बोधन

आज 10 अक्टूबर, 2020, शनिवार को हम सभी भार्गव सभा के 131वें स्थापना दिवस को मनाने के लिये एकत्रित हुये हैं। मैं राजेश भार्गव, प्रधान, दिल्ली भार्गव सभा इस अवसर पर आप सभी का अभिनन्दन व स्वागत करता हूं। आज इस अवसर पर मैं आप सभी के साथ कुछ ऐतिहासिक तथ्य सांझा करना चाहूंगा।

जहां तक हम भार्गवों के इतिहास की बात है, भृगु ऋषि, च्यवन ऋषि एवं परशुराम जी हमारे पूर्वज जाने जाते हैं। यह त्रेता व द्वापर युग की बात है। इतिहास से हमें जानकारी मिलती है कि लगभग 464 वर्ष पूर्व, 7 अक्टूबर, 1556 को हिन्दुस्तान के अंतिम हिन्दू सम्राट हेमचन्द्र भार्गव विक्रमादित्य का राज्याभिषेक हुआ था। वे अकबर के एकमात्र प्रतिद्वन्द्वी थे। हेमचन्द्र जी बहुत मजबूत स्थित में थे। परन्तु अकबर से युद्ध में आंख में तीर लग जाने से वो घायल हो गये और तभी अकबर के सेनापति ने हेमू का सिर काट दिया। सम्राट हेमचन्द्र की मृत्यु के बाद से भार्गव समाज अपने अस्तित्व के लिये लगातार संघर्ष करता रहा।

मुगलों के बाद अंग्रेजों का शासन आया, महारानी विक्टोरिया के आने के बाद से स्थितियों में बदलाव आया। निरंतर प्रयासो के पश्चात् 10 अक्टूबर, 1881 में ऑल इंडिया भार्गव सभा का रजिस्ट्रेशन लखनऊ में हुआ। आज इसे 131 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

सभा का पहला अधिवेशन आगरा में हुआ। इस अधिवेशन के सभापति मुंशी नवल किशोर जी थे। आज भार्गव सभायें विभिन्न शहरों में ऑल इंडिया भार्गव सभा के नेतृत्व में कार्य करती हैं। जिनकी संख्या लगभग इस वक्त 37 है। भार्गव समाज में लगभग 6200 परिवार हैं और कुल जनसंख्या लगभग 60,000 है। इनमें से लगभग 15 प्रतिशत विदेशों में रहते हैं। समय की आवश्यकता के अनुसार आज भार्गव महिला सभायें व युवा संघ भी समाज के कार्यों में कार्यरत हैं।

मैं दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान पद पर नेतृत्व करने में अपने आप को भाग्यशाली व गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। इसके लिये मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूं।

मैं एक बार पुनः स्थापना दिवस पर आप सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं व आज के कार्यक्रम में आपका स्वागत करता हूं। मैं ऑल इंडिया भार्गव सभा के प्रधान श्री नरेश जी, मुख्य सचिव श्री हीरेन्द्र नाथ भार्गव, उप-प्रधान श्री दिनेश जी, पूर्व प्रधान श्री विजय नारायण जी एवं पूर्व प्रधान श्री सुरेश जी का विशेष तौर से स्वागत करता हूं।

अंत में मैं अखिल भारतीय भार्गव सभा के पूर्व प्रधान श्री सुरेश जी एवं पूर्व प्रधान दिल्ली भार्गव सभा श्रीमती नीरा जी को स्थापना दिवस की समस्त व्यवस्था करने के लिए धन्यवाद देता हूं।

राजेश भार्गव
प्रधान, दिल्ली भार्गव सभा (पंजी.)

दिल्ली भार्गव सभा (पंजीकृत)

BUDGET 2020-2021

Expences	Amount	Income	Amount
Audit Fees	3,000.00	Donations	2,28,000.00
Postage & Courier	5,000.00	Interest Accurred	90,000.00
Samachar Darshika	10,000.00	Samaj Kalyan Nidhi Interest	1,00,000.00
Holi Milan	30,000.00	Medical Nidhi Interest	40,000.00
Printing & Stationary	5,000.00		
Sneh Sammelan	2,00,000.00		
Exec. Body Meeting	10,000.00		
Office Expenses	5,000.00		
Samaj Kalyan	1,00,000.00		
Dhosi Mandir	2,500.00		
Dehra Utsav	5,000.00		
Girl Marriage & Wreath	15,000.00		
Web Site	10,000.00		
Miscellaneous Exp.	10,000.00		
ABBS Sthapana Diwas	10,000.00		
Medical Expenses	40,000.00		
Total	**4,58,000.00**		**4,50,000.00**

In Memory of Our Father

SHRI GYAN BHARGAVA

MADHUR & COMPANY

Authorised Distributors :

Reid & Taylor

425-426, Ist Floor, Katra Choban,
Chandni Chowk, Delhi-110006
Phones : 23269173, 23257543
Resi. : 26947140, 26944932

Prop. Madhur Bhargava

With Best Compliments from :

Anil Bhargava : 9810024116
Rajat Bhargava : 9873434821

Deals in :

Paper • Paper Board • Kraft Paper • Waste Paper • Polyster Film • ITC Make Paper Board • Sakata Make Offset Inks • Management Consultancy

PRINCIPALS :

- Siddharth Papers Pvt. Ltd.
- Siddheshwari Paper Udyog Pvt. Ltd.
- N S Papers Ltd
- Polyplex Corporation Ltd.
- Sakata Inx (India) Pvt. Ltd.
- Anand Duplex Ltd.

ABBA CONSULTANTS PVT. LTD.

107, Siddhartha Chambers, 55-A,
Kalu Sarai, Hauz Khas, New Delhi-110016
Email Id: *anilbhargava@gmail.com, rajat14@gmail.com*

विक्रमादित्य सम्राट हेमचन्द्र भार्गव-एक व्यक्तित्व

10 अक्टूबर, 2020 को आयोजित वेवनार में श्री बालकृष्ण भार्गव, पूर्व प्रधान मंत्री, अखिल भारतीय भार्गव सभा का सम्बोधन

सम्राट पृथ्वीराज चाहान के लगभग 300 वर्षों के बाद भारत के एकमात्र हिन्दू सम्राट हेमचन्द्र जी थे। भार्गव समाज के लिये वह एक स्वर्णिम व गौरव का अवसर था। इतिहासकारों का यह एक भूला विसरा पृष्ठ रहा। एक वर्ग ने इन्हें वक्काल, बनिया कहा जबकि वे ढूसर भार्गव थे। उनका गोत्र गोलिश और कुलदेवी शक्रा थी। आपको भारत का नेपोलियन भी कहा जाता है। आपको हेमू के नाम से अधिक जाना जाता है।

आपका जन्म विजयदशमी सन् 1501 में अलवर के समीप राजगढ़ के माछेरी नामक ग्राम पिताश्री संत पूरनदास के सामान्य परिवार में हुआ। बाद में सारा परिवार कुतुबपुर रिवाड़ी में आ गया। आज भी उनकी विशाल हवेली व अन्य स्मारक तथा उनके वंशज कुतुबपुर रिवाड़ी में हैं। जो उनकी वीरता, कुशाग्र एवं विलक्षण प्रतिभा की स्मृति दिलाते हैं। आप हिन्दी के अतिरिक्त संस्कृत, फारसी व अरबी के अच्छे ज्ञाता थे। 25 वर्ष की आयु में आपने शोरा अर्थात् पोटेशियम नाईट्रेट, जो बारूद बनाने के काम में लिया जाता है, का व्यापार किया। व्यापार में दिल्ली, रिवाड़ी के प्रमुख व्यापारी के रूप में प्रसिद्ध हुये। शेरशाह सूरी व इस्लाम सूरी ने हेमू की व्यापार योग्यता देख उन्हें बाजार अधीक्षक और बाद में सिविल व मिलिट्री का प्रमुख बना दिया। इस्लाम शाह सूरी के निधन के पश्चात् आदिल शाह ने 1553 में हेमू को वजीरे आजम बना दिया और राजपाठ से निश्चिन्त होकर ग्वालियर जा सुरा सुन्दरी में डूब गया। हेमू ने 1553 से 1556 तक तीन वर्षों में 22 युद्ध जीते।

लगभग 300 वर्षों से शासन कर रहे मुसलमान अफगानों ने बिना किसी रक्तपात के हेमू की अधीनता स्वीकार कर ली और 7 अक्टूबर, 1556 को दिल्ली के पुराने किले में हेमू का राज्याभिषेक हुआ और 'विक्रमादित्य' की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि रही।

हेमू की सेना में 50,000 घुड़सवार, 1000 हाथी तथा छोटी बड़ी 551 तोपें

थीं (अकबरनामा, खंड-2, पृष्ठ 47)। 5 नवम्बर, 1556 को पानीपत के द्वितीय भयंकर युद्ध में हेमू स्वयं हवाई नामक हाथी पर सवार सेना का संचालन करते हुये विजयपथ की ओर अग्रसर थे। दुश्मन डर व भयभीत होकर पीठ दिखा भागने लगे। भाग्य की विडम्बना कि अचानक एक तीर हेमू की आंख में लगा। हेमू ने तीर खींचा, आंख बाहर आ गयी। नहर देख हाथी आगे न बढ़ सका। हेमू बेहोश हो गिर पड़े व गिरफ्तार हो गये और जीता हुआ युद्ध हार गये। इस प्रकार भारत के अंतिम हिन्दू सम्राट का 21 दिन का शासन समाप्त हो गया। हेमू का सिर काट कर अल्पज्ञों की शिक्षा हेतु काबुल भिजवाया और धड़ मुगलों के शत्रुओं को चेतावनी के रूप में फांसी की टिकरी पर पुराने किले में लटका दिया।

अ.भा. भार्गव सभा की हैरिटेज उपसमिति ने उनके 500वें जन्मोत्सव पर 20 मिनिट की डाक्यूमेन्ट्री फिल्म भी बनायी थी। हेमू के चांदी के सिक्के भी बनवाये गये। 10 नवम्बर, 2000 को पानीपत के म्यूजियम में एक मूर्ति लगवायी गयी। उनके नाम के आगे वैश्य व अग्रवाल लिखा गया। 12 वर्ष तक संघर्ष के पश्चात् उनके नाम के आगे ढूसर भार्गव लिखवाया गया। हेमू के सैनिकों व ढूसर के सिर काटकर नरमुंडों की मीनार का एक चित्र ब्रिटिश प्रकाशक की पुस्तक से लेकर म्यूजियम में लगाया।

हेमू की पत्नी बिना भय के सारा खजाना हाथियों पर लाद कर अपनी रक्षा हेतु अपने पीहर भदकोल की ओर बढ़ गयी। अपनी सूझबूझ से पीछा कर रहे सैनिकों को रोकने हेतु सोने के सिक्के फेंक उन्हें मजबूरन रोक दिया। 80 वर्षीय हेमू के पिता को मुस्लिम धर्म स्वीकार न करने पर फांसी दे दी गयी। हेमू के परिवार व सैनिकों के सिर काट कर मीनार बना कर विजयोत्सव मनाया गया। ढूसर भार्गवों का दमन शुरू कर दिया। ढूंढ ढूंढ कर मारने लगे। फलस्वरूप वह भेष बदल कर पंसारी, धोबी, लकड़हारा बन रहने लगे। आज भी यह अल्ल लगे हुये हैं। अकबर को पता लगा कि संत नवलदास नामक ढूसर बांकी हैं। अकबर ने उन्हें पकड़ कर जेल में बन्द करा दिया। किन्तु फिर भी वह अपने शिष्यों को प्रवचन देते हुये आश्रम में देखे गये। उनके इस चमत्कार से अकबर बड़ा भयभीत व प्रभावित हो गया और राधावल्लभ संप्रदाय की दीक्षा ली व ढूसरों पर अत्याचार बन्द करवा दिये। हेमू के वंशजों को अनेकों गांव व वार्षिक क्षतिपूर्ति का फरमान जारी किया। जो 1857 तक चला।

सम्राट हेमचन्द्र भार्गव 'विक्रमादित्य' ने 5 नवम्बर 1556 को वीरगति पायी। सैदापुर गांव पानीपत में जिस जगह पर हेमू ने वीरगति पायी वहां उनकी स्मृति में

एक समाधि स्थल बनायागया। पता लगा कि वह स्मृति स्थल कम पीर मजार अधिक है।

'दो संत दो सम्राट' नामक पुस्तक में प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. मोतीलाल भार्गव, दिल्ली द्वारा लिखित में सटीक विस्तार से वर्णन हैं।

हमें हेमू जी से शिक्षा लेनी चाहिये कि एक साधारण परिवार के होते हुये अपनी लगन, कुशाग्र बुद्धि, वीरता व मेहनत के कारण सर्वोत्तम पद सम्राट तक कैसे पहुंचें।

ऐसे महान सपूत को बारम्बार नमस्कार
विक्रमादित्य हेमचन्द्र भार्गव की जय
भगवान परशुराम की जय, भार्गव समाज की जय।

193-डी, डी.डी.ए. फ्लैट्स (एम.आई.जी.) सन्तोष-बालकृष्ण भार्गव
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027

विवाह आदि शुभ अवसरों पर पत्रिका को मुक्त हस्त से दान दें। सम्पादक

Rajender Nath Bhargava
Narender Bhargava *Gunjan Bhargava*

UMA UNIFORMS

Mfrs. of : All kinds of Uniforms

Specialists in :
School, Hospital, Staff, Workshop Uniforms

C-18, GALI NO. 3, VILLAGE KOTLA,
MAYUR VIHAR, PHASE-1, DELHI-110091
Ph. : 9868222734

With Best Compliments From

SURESH BHARGAVA

PLOTS

AGRA, FARIDABAD, JAIPUR, ROHTAK, MOHALI

FLATS

FARIDABAD, CHANDIGARH, KARNAL, BHIWARI

KANU ESTATES (PVT.) LTD.

G-24, SIDDHARTHA ENCLAVE, NEW DELHI-110014

Ph. : 91-11-26344142, 26347664, 26342775, 26341413

Fax : 00-91-11-26346049

Website : sureshb@kannuestate.com

सम्राट हेमचन्द्र विक्रमादित्य (हेमू)
(1501–1556)

श्री हेमचन्द्र राय पूरनदास जी के सुपुत्र थे। इनका जन्म अश्विन शुक्ल दशमी (विजयदशमी) विक्रम संवत 1556 (1501 ई.) को अलवर के समीप माघेरी गांव में एक समृद्ध ढूसर भार्गव परिवार में हुआ था। अपने जन्मस्थान से कुतुबपुर रेवाड़ी में आने के बाद वह बन्दूक चलाने में प्रयोग होने वाले प्रमुख तत्व पोटेशियम नाइट्रेट अर्थात् शोरा के व्यापारी बने। इसी कारण उन्हें वक्काल कहा गया।

हेमू ने शेरशाह सूरी के दरबार में अपना सैनिक जीवन प्रारम्भ कर उसके पुत्र इस्लाम शाह के दरबार में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुये उन्होंने नागरिक एवं सैन्य मामलों के मंत्री पद तक पदोन्नति प्राप्त की। इस्लाम शाह की मृत्यु 30 अक्टूबर, 1553 को हुयी। इस्लाम शाह के भतीजे और उत्तराधिकारी आदिल शाह सूरी ने हेमू को विक्रमादित्य की उपाधि प्रदान की। आदिलशाह के लिये हेमू एक मजबूत स्तम्भ बना।

हुमायूं की अचानक मृत्यु हेमू के लिये देवप्रदत्त संयोग था। उसने ग्वालियर में अपनी सेना एकत्रित कर दिल्ली की ओर प्रस्थान किया। मुगल जनरल स्कन्दा खां उजबेक आगरा इटावा काल्पी इत्यादि स्थान खाली कर दिल्ली में मुगल जनरल तरदी बेग से जा मिला। हेमचन्द्र जी ने तुगलकाबाद में अपना डेरा लगाया। 7 अक्टूबर, 1556 में मुगल सेना को पराजित किया। हेमू ने दिल्ली की राजगद्दी प्राप्त की तथा उसी दिन राज्याभिषेक करवाया। हेमू ने 7 नवम्बर, 1556 में हुये पानीपत युद्ध से पहले 22 युद्ध जीते थे। पानीपत युद्ध भी एक तीर आंख में लगने के कारण जीत के बजाए पराजय में बदल गया। घायल अवस्था में अकबर के सिपहसालार बैरम खां ने उनकी हत्या कर दी।

हेमचन्द्र जी की समाधि तिजारा (अलवर) के पास बनी है। हरियाणा सरकार ने पानीपत में उनकी प्रतिमा स्थापित की है जिस पर शुरू में ढूसर जाति लिखी गयी थी। भार्गवों के प्रयास से अब भार्गव शब्द लिखा गया है। हेमू के बारे में इतिहासकार प्रोफेसर आर.सी. मजूमदार लिखते हैं–

"मध्यकालीन और आधुनिक इतिहासकारों ने हेमू के प्रति न्याय नहीं किया और उस जैसे विलक्षण प्रतिभावान हिन्दू शासक और प्रखर व्यक्तित्व का उचित मूल्यांकन करने में असफल रहे। मुस्लिम शासकों उत्कर्ष काल में सामान्य व्यापारी के स्तर से ऊपर उठकर धीरे-धीरे दिल्ली के राजसिंहासन तक पहुंचने वाला हेमू किसी राजवंश में उत्पन्न नहीं हुआ था न ही वह किसी राजसी वैभव का उत्तराधिकारी था। यह सब उसकी समर्पित निष्ठा, मानवीय संवेदना, अद्भुत शौर्य और विलक्षण युद्ध कौशल के कारण ही हुआ।"

ए-181, मीराबाग, नई दिल्ली-87 कमलेश्वर प्रसाद भार्गव

पत्रिका में प्रकाशनार्थ सामग्री भेजने की अन्तिम तिथि हर माह की 10 तरीख है। सम्पादक

परीक्षा में उत्तीर्ण सभी छात्र/छात्राओं को हार्दिक शुभकामनायें। आप सभी से निवेदन है कि अपने बच्चों का परीक्षाफल भार्गव समाचार दर्शिका में प्रकाशित करवाकर उनका प्रोत्साहन बढ़ायें। -सम्पादक

With best compliments from Om Prakash Bhargava

BHARGAVA PLASTICS

Manufacturers of :

POLYTHLENE TUBES, BAGS & SHEETS

Sales Office

1/9804, West Gorakh Park, Gali No.1, Babarpur Road,
Opp Hanuman Mandir, Shahdara, Delhi-110032
Phone : 22824533

Factory

L-97, Sector-1, Udyog Vihar, Bawana Industrial Area
Bawana, Delhi-110039 • Phone : 27750458
Phone : 9312280965 Mobile : 9810447989

Fax : 91-11-25920193
Mobile : 9810363235
E-mail : abcapd@live.com

25120193 (O)
25130548 (R)

Ashok Bhargava

August Pharmaceuticals (Delhi)

PHARMACEUTICALS RAW-MATERIALS &
EXCIPIENTS INDENTOR & SUPPLIER

WZ-414, NANAKPURA, HARI NAGAR,
NEW DELHI-110064

RES. : C-2A, MIG FLATS, MAYAPURI, DELHI-110064

With best compliments from

SMT. TRIVENI DEVI BHARGAVA DHARMARTH TRUST

Regd. Office :

Flat No. C-103, Bhrigu Appt., Plot No. 4, Sector-9,
Dwarka Phase-1, New Delhi-110075

Phone : 32930553 Mobile: 9871292072

With best compliments from

PRAVIN PAPER PRODUCTS

Manufacturers of :
Cloth Lined Paper, Cloth Centred Paper,
File Covers, File Boards and All Types of Envelopes

28-A, Vidhan Sabha Marg,
Lucknow-226001
Phone : (0522) 2221375, 2223535, 2227733

Associates :

Pradeep Bhargava

P. KUMAR & CO.

40 Cantt Road Lucknow
Phone : (0522) 2221375

Pramod Bhargava / Prabhat Bhargava

PRAVIN PAPER INDUSTRIES

B-34, Site IV Industrial Area,
Sahibabad (Ghaziabad) U.P.
Phone : (95120) 2895476
Resi. : (95120) 2641357
Mobile : 9810644984

Head Office :
58, Chand Ganj Garden, Lucknow
Phone : (0522) 2374733

व्रत-पर्व तथा त्यौहारों की सूची (सम्वत् 2077)

वार	सन् 2020	व्रत-पर्व
		कार्तिक (कृष्ण पक्ष)
बुध.	4 नवम्बर	**करवा चौथ (चंद्रोदय रात्रि 7.57 बजे)**
रवि.	8 नवम्बर	**अहोई अष्टमी**
बुध.	11 नवम्बर	एकादशी (रम्भा)
बृह.	12 नवम्बर	धनतेरस/प्रदोष
शुक्र.	13 नवम्बर	नरक चतुर्दशी
शनि.	14 नवम्बर	**दीपावली (अमावस्या) -लक्ष्मी पूजन मुहूर्त सायं 7.43 बजे से 9.39 तक एवं रात्रि 11.52 से प्रातः 2.10 बजे तक**
रवि.	15 नवम्बर	**अन्नकूट/गोवर्धन पूजा**
		कार्तिक (शुक्ल पक्ष)
सोम.	16 नवम्बर	**(भाई दूज) भ्रातृ द्वितीया**
सोम.	23 नवम्बर	अक्षय नवमी
बुध.	25 नवम्बर	**देवोत्थानी एकादशी/तुलसी विवाह**
शुक्र.	27 नवम्बर	प्रदोष
सोम.	30 नवम्बर	**कार्तिक पूर्णिमा (स्नान)**

दिल्ली भार्गव सभा कल्याण निधि

कल्याण निधि के अन्तर्गत निम्न अनुदान पदक दिये जाते हैं। कृपया सम्बन्धित पात्र की जानकारी देकर सहयोग करें।

(1) निराश्रित अनुदान, (2) विवाह अनुदान, (3) चिकित्सा अनुदान, (4) शिक्षा अनुदान, (5) विज्ञान वर्ग में 75 प्रतिशत व कला वर्ग में 65 प्रतिशत या अधिक अंक बोर्ड या विश्वविद्यालय की फाइनल परीक्षा में प्राप्त करने वाले छात्र व छात्राओं को सम्मानित किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए **श्री संजीव भार्गव,** वी-182/3, अरविन्द नगर, घौंडा, दिल्ली-110053 दूरभाष: 9136229066 से सम्पर्क करें।

112-बी, सरस्वती कुंज, प्लाट नं. 25,
आई.पी. एक्सटेंशन, दिल्ली-110092
दूरभाष: 22723488, 9810380343

अजय भार्गव
मुख्य सचिव

In memory of

Shri Shankar Lal Bhargava

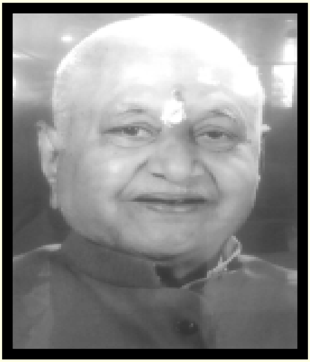

Raj Shree

ठंडाई पाउडर

SHAMBHU NATH SURESH KUMAR
DELHI-6

श्री

मिल्क मसाला

केसर पिस्ता, बादाम

SHAMBHU NATH SURESH KUMAR

DRY FRUITS, SPICES & DRIED FRUITS

SHANKAR LAL VED PRAKASH
SHANKAR LAL KAMAL CHAND

6701, KHARI BAOLI, DELHI-110006
Mobile : 9810105818, 9818521507, 9212111074

Suresh Bhargava

With Best Compliments from:

KISHORI LAL AGENCIES

Wholesale Paper and Board Merchants

Wiro, Spiro, Diary, Calendar,
Wedding Card and Boxes

❖ ❖ ❖

SUNDRAM CARDS

Specialists in:
Designer Wedding Cards

73, Chawri Bazar, Delhi-110006

Davender Bhargava	***9312973134***
Arvind Bhargava	***9810228863***
Pravin Bhargava	***9810019290***

E-mail : kishorilal73@gmail.com
sundramcards@gmail.com

With best compliments from

Diwakar 9810003713
Sudhakar 9810042132
Kunal 9891091010
Rishabh 9990000225

BHARGAVA

COMMERCIAL PVT. LTD.

(WHOLESALE PAPER & BOARD MERCHANTS)

21/12, Darya Ganj, Dev Niwas, New Delhi-110 002

Ph.: 23269990, 23280556, 23254041 Fax : 91-11-23280557

BHAI PAPERS PVT. LTD.

PAPER & WIRO IMPORTERS & INDENTORS

BHAI SPIRAL SPICO (P) LTD.

C-93, D.D.A. SHEDS, OKHLA INDUSTRIAL AREA
PHASE-I, NEW DELHI-110020
PHONES : 26811616, 26813939

RESI. : 22151617, 22141617

With Best Compliments:
Mr. Suresh Bhargava and Mr. Arshad Usmani

ANANTHAM EPIC HOMES

(Builders & Developers)

Corporate Office:

'A' 511-512, "Bonanza", Sahar Plaza, Andheri Kurla Road, Andheri East, Mumbai 400059

Tel: 022 66916851/2/3 Mob: 8828115822 | E: md@aehomes.co.in | W: www.aehomes.co.in

Site Address:

Opp. Taki Mata Mandir, Near L & T Training Centre Off Mumbai Pune Highway,
Rees, Panvel Division - 410206
(Mumbai Metropolitan Region)

Tel. : 27465607, Mob. : 8828115812

BHARGAVA PHYTOLAB
SINCE 1920
A Leading Homoeopathic Company
BHARGAVA PHYTOLAB
Clinically proven for acute and chronic
Cervical Spondylitis
and
Cervical Spondylosis
Doctor's Most Trusted Brand for
Cervical Spondylosis
Available at all the nearest
Homoeopathy
& Allopathy stores
SPONDIN
BUY ONLINE AT
www.doctorbhargava.com
SPONDIN®
Drops
India's No.1 Selling Brand for
NECK & SHOULDER PAIN
BHARGAVA PHYTOLAB PVT. LTD.
A Leading Homoeopathy Company
Help Line No.:
99-1008-1920

GRACURE

- EU GMP cerification from Belgium's FAMHP
- Certified for tablets, capsules, liquid syrups, ointments and dry syrups
- Believes in "Quality On Time & In Full"

EU-GMP Certified Co.

Gracure Pharmaceuticals Ltd.
251-254, 2nd Floor, DLF Tower, Block-IV, 15, Shivaji Marg, New Delhi-110 015 (INDIA)
Phone : +91-11-47770900 Fax : +91-11-477709999
Email : info@gracure.com Website : www.gracure.com

Regd. No. DL©-01/1255/2018-2020
Date of Publishing 28-10-2020
Posted at New Delhi PSO, 28 & 29 Every Month
अक्तूबर 2020 RNI No. 19737/70

श्री योगेश भार्गव स्वामी, सम्पादक, मुद्रक तथा प्रकाशक के प्रबन्ध से भृगु प्रिंटर्स, डी-6/29ए, दयालपुर, दिल्ली-94 में छपा एवं मानवधर्म भवन, 67/3 मद्रास हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित हुआ। दूरभाष : 9312243182